

प्रेषक,

विनोद फोनिया,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
उधमसिंहनगर / उत्तरकाशी /
पिथौरागढ़, उत्तराखण्ड।

पशुपालन अनुभाग—1

देहरादून: दिनांक 19 अप्रैल, 2011

विषय: अनुदान संख्या—30 के लेखाशीर्षक—4403 —पशुपालन आयोजनागत योजनाओं में वर्ष 2011–12 हेतु बजट आवंटन।

महोदय,

उपरोक्त विषयक निदेशक, पशुपालन के पत्र संख्या—17/नि—5/एक(15)/भ.नि./स्पेट्रा.यो./11–12 दिनांक 01.04.2011 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल चालू वित्तीय वर्ष 2011–12 में जिला योजना अनुदान संख्या—30 के अन्तर्गत पशुविकित्सालयों व पशु सेवा केन्द्रों के भवनों का निर्माण योजनान्तर्गत धनराशि ₹ 30.31 लाख (₹ तीस लाख इकतीस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति नियमानुसार आपके निर्वतन पर निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्राप्ति किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र.सं.	जनपद का नाम	अवमुक्त की जा रही धनराशि (धनराशि लाख ₹ में)
01	उधमसिंहनगर	13.47
02	पिथौरागढ़	6.34
03	उत्तरकाशी	10.50
	योग:-	30.31

- (1) आँगणन में उल्लिखित जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हैं की स्वीकृति/अनुमोदन नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से प्राप्त किया जाय।
- (2) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (3) कार्य करने से पूर्व विस्तृत आँगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय।
- (4) कार्य कराने से पूर्व समर्त औपचारिकतायें तकनीकि दृष्टि से पूर्ण करते हुए कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टों के अनुरूप ही सम्पादित कराया जाय।
- (5) कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली भाँति निरीक्षण उच्चाधिकारियों के साथ अवश्य कर लें एवं निरीक्षण के पश्चात निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप ही कार्य किया जाये।
- (6) आँगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है उसी मद पर व्यय किया जाय तथा एक मद की राशि दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जायें।

(7) निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी शासकीय मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाये तथा तत्काल निर्माण कार्य प्रारम्भ किये जायें व कार्य प्रारम्भ करने में देरी यदि हो, के लिए उत्तरदायित्व निर्धारित करके दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाय।

(8) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।

(9) धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका में दिये गये प्राविधानों का तथा क्य संबंधी शासनादेशों में दी गई व्यवस्था व स्टोर परचेज नियमावली का पालन किया जाय।

2. उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के अनुदान संख्या-30 के लेखाशीर्षक 4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय-00-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-02-अनुसूचित जातियों के लिए रपेशल कम्पोनेंट प्लान-0201-पशु सेवा चिकित्सालयों एवं पशु सेवा केन्द्रों के भवनों का निर्माण-24-बृहद निर्माण कार्य के अंतर्गत वहन किया जायेगा।

3. यह आदेश प्रमुख सचिव वित्त के शासनादेश संख्या-209/XXVII(1)/2011 दिनांक-31 मार्च, 2011 के प्रस्तर-4 के अनुसार जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न-जनपदवार फॉर्म

भवदीय,

(विनाद फोनिया)

सचिव

संख्या- 436 (1)/XV-1/2011 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास शाखा को प्रमुख सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
3. आयुक्त, गढ़वाल / कुमाऊ मण्डल, उत्तराखण्ड।
4. निदेशक, पशुपालन विभाग, देहरादून को उनके पत्र दिनांक 01 अप्रैल, 2011 के कम में सूचनार्थ प्रेषित।
5. अपर निदेशक, पशुपालन विभाग, गढ़वाल मण्डल पौड़ी / कुमाऊ मण्डल, नैनीताल, उत्तराखण्ड।
6. समस्त कोषाधिकारी / वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-4।
8. निदेशक, एन.आई.सी. सचिवालय देहरादून को वैवसाईट में डालने हेतु।
9. समस्त, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
१८/३/२०११
(जी०बी० ओली)
संयुक्त सचिव